हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित)

भाषा संकाय (हिंदी विभाग)
स्नातकोत्तर (हिंदी) द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम कूट : HIL- 451 श्रेयांक : 02
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी गीत, नवगीत, ग़ज़ल
पाठ्यक्रम शिक्षक : डॉ. चंद्रकांत सिंह

श्रेयांक : 4 **[** एक क्रेडिट व्याख्यान, संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत सम्पर्क के घंटे 10, प्रयोगशाला / शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों / ट्युटोरियल / व्यावहारिक कार्य के घंटे और अन्य कार्य 5 जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य, सामूहिक कार्य , निर्धारित कार्य / वैकल्पिक कार्य, साहित्य समीक्षा, पुस्तकालय कार्य, तथ्य संग्रह, शोध पत्र लेखन, सेमिनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के घंटे के समान है 15।

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- यह एक अंतर्विषयी पाठ्यक्रम है जिसका अध्ययन हिंदी के इतर विद्यार्थी करेंगे इसलिए यह अत्यंत संक्षिप्त और सारगर्भित होगा | जिसका उद्देश्य हिंदी गीत, नवगीत और ग़ज़ल की परिचयात्मक जानकारी देना है |
- इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य हिंदी से इतर विद्यार्थियों के भीतर हिंदी के प्रति रूचि पैदा करना भी है जिससे कि साहित्य के प्रति आस्वादकता पैदा हो सके |
- गीत, नवगीत, ग़ज़ल के सैद्धांतिक पक्षों के साथ व्याख्यात्मक पक्ष पर भी बल दिया जाएगा जिससे कि विद्यार्थी इन विधाओं का समग्र अध्ययन कर सकें |

पाठ्यक्रम परिणाम :

- इस पाठ्यक्रम के द्वारा सहृदयता का गुण विकसित होगा |
- इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों का संवेदनात्मक विकास होगा |
- रचना के पाठ से विद्यार्थी गीत, नवगीत, ग़ज़ल की आत्मा से परिचित हो सकेंगे |
- गीत, नवगीत, ग़ज़ल को आत्मसात करने और उनका आलोचनात्मक विश्लेषण करने में विद्यार्थी दक्ष होंगे |

उपस्थिति अनिवार्यता :

पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है । न्यूनतम 75 % कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है ।

मूल्यांकन मापदंड :

1. मध्यावधि परीक्षा : 40
2. सत्रांत परीक्षा : 120
3. सतत आतंरिक मूल्यांकन: 40

<u>पाठ्यक्रम विषयवस्तु –</u>

इकाई -1 गीत, नवगीत, ग़ज़ल : एक परिचय (04 घंटे)

- गीत : प्रवृत्तियाँ और विकास
- नवगीत : प्रवृत्तियाँ और विकास
- ग़ज़ल : प्रवृत्तियाँ और विकास

इकाई- 2 प्रमुख गीतकार एवं उनके चयनित गीतों का अध्ययन-1 (04 घंटे)

- गीति-कला की दृष्टि से मैथिलीशरण गुप्त, निराला एवं महादेवी वर्मा का अध्ययन
- पाठ विवेचन एवं विश्लेषण – 'तुम निरखो' (मैथिलीशरण गुप्त), 'स्नेह निर्झर बह गया है (निराला), मैं नीर भरी दुःख की बदली (महादेवी वर्मा),

इकाई- 3 प्रमुख गीतकार एवं उनके चयनित गीतों का अध्ययन-2 (04 घंटे)

- गीति-कला की दृष्टि से हरिवंश राय बच्चन, रमानाथ अवस्थी एवं केदारनाथ सिंह का अध्ययन
- पाठ विवेचन एवं विश्लेषण – 'मुझे पुकार लो' (हरिवंश राय बच्चन), 'रात और शहनाई' (रमानाथ अवस्थी), 'दुपहरिया' (केदारनाथ सिंह)

इकाई- 4 प्रमुख नवगीतकार एवं उनके चयनित नवगीतों का अध्ययन (04 घंटे)

- नवगीति-कला की दृष्टि से धर्मवीर भारती, शंभुनाथ सिंह एवं उमाकांत मालवीय का अध्ययन
- पाठ विवेचन एवं विश्लेषण- 'धुंधली नदी में' (धर्मवीर भारती), 'समय की शिला पर' (शंभुनाथ सिंह), 'चुभन और दंश' (उमाकांत मालवीय)

इकाई- 5 प्रमुख ग़ज़लकार एवं उनकी चयनित ग़ज़लों का अध्ययन (04 घंटे)

- ग़ज़ल-कला की दृष्टि से शमशेरबहादुर सिंह, दुष्यंत कुमार एवं कुँवर बेचैन का अध्ययन
- पाठ विवेचन एवं विश्लेषण- 'वही उम्र का एक पल कोई लाए' (शमशेरबहादुर सिंह), 'कहाँ तो तय था चिरागाँ हर एक घर के लिए' (दुष्यंत कुमार), 'फूल को खार बनाने पे तुली है दुनिया' (कुँवर बेचैन)

<u>संभावित सन्दर्भ ग्रंथ सूची –</u>

1. श्रेष्ठ हिंदी गीत संचयन — कन्हैयालाल नंदन (भूमिका,चयन एवं संपादन)
2. निराला का गीत-काव्य — संध्या सिंह
3. शमशेरबहादुर सिंह संकलित कविताएँ — गोपेश्वर सिंह (चयन और भूमिका)
4. आधुनिक हिंदी गीतिकाव्य — डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
5. नवगीत सप्तक — शंभुनाथ सिंह (संपादन)
6. नये गीत का उद्भव और विकास — रमेश रंजक